



राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन-सम्पर्क शाखा)
बिहार लोक भवन, पटना-800022

प्रेस-विज्ञप्ति

संख्या-205/2026

जलवायु परिवर्तन पूरी मानवता के सामने बड़ी चुनौती- राज्यपाल

पटना 30 सितम्बर, 2026 :- माननीय राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सय्यद अता हसनैन (सेवानिवृत्त) ने भारत मौसम विज्ञान विभाग, पटना एवं भारत मौसम विज्ञान सोसायटी द्वारा दशरथ मांझी श्रम एवं नियोजन अध्ययन संस्थान, पटना में आयोजित 'क्लाइमेट चेंज क्रॉसरोड्स: समग्र स्वास्थ्य, जैव-विविधता, कृषि, चरम मौसम और पशु विज्ञान (Climate Change Crossroads : One Health, Biodiversity, Agriculture, Extreme Weather and Animal Sciences)' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन आज केवल वैज्ञानिकों और मौसम विशेषज्ञों का विषय नहीं, बल्कि पूरी मानवता के सामने एक बड़ी चुनौती है। बिहार में बाढ़, सूखा, अत्यधिक गर्मी, वज्रपात और बदलते मौसम का सीधा असर जनजीवन और आजीविका पर पड़ता है। इससे निपटने के लिए विज्ञान, तकनीक, प्रशासन और समाज को मिलकर काम करना होगा।

उन्होंने कहा कि समय पर मौसम पूर्वानुमान और पूर्व चेतावनी से आपदाओं के प्रभाव को काफी कम किया जा सकता है। वर्ष 1999 के ओडिशा सुपर साइक्लोन और वर्ष 2023 के चक्रवात बिपरजॉय का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि समय पर चेतावनी, बड़े पैमाने पर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाने और विभिन्न एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल से लोगों की जान बचाई जा सकती है।

बिहार की भौगोलिक परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने कहा कि भूगोल को बदला नहीं जा सकता, लेकिन बेहतर ज्ञान, तकनीक, अनुसंधान और तैयारी से आपदा के नुकसान को कम किया जा सकता है। उन्होंने वज्रपात जैसी घटनाओं में चेतावनी को समय पर किसानों और ग्रामीण आबादी तक पहुँचाने के लिए मोबाइल संदेश, सेल ब्रॉडकास्ट और स्थानीय प्रशासन की व्यवस्था को मजबूत करने पर जोर दिया।

हिमालयी क्षेत्र में ग्लेशियर फेलियर की बढ़ती चुनौती का उल्लेख करते हुए उन्होंने भारतीय मौसम विज्ञान विभाग और राष्ट्रीय रिमोट सेंसिंग सेंटर सहित संबंधित संस्थाओं के बीच बेहतर समन्वय की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि रिमोट सेंसिंग और सेंसर आधारित निगरानी से भविष्य में प्रभावी पूर्व चेतावनी प्रणाली विकसित की जा सकती है।

राज्यपाल ने कहा कि आपदा प्रबंधन का मूल उद्देश्य लोगों की जान बचाना और उनकी आजीविका एवं संसाधनों की रक्षा करना है। उन्होंने जलवायु परिवर्तन और आपदा जोखिमों से निपटने के लिए वैज्ञानिकों, विशेषज्ञों, प्रशासन और समाज से मिलकर काम करने का आह्वान किया।

इस अवसर पर दिल्ली पब्लिक स्कूल, पटना के विद्यार्थियों ने आर्द्रभूमि संरक्षण (Wetland Conservation) पर प्रस्तुति दी। कार्यक्रम को सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ बिहार, गयाजी के कुलपति प्रो० के०एन० सिंह एवं भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के महानिदेशक डॉ० मृत्युंजय महापात्र ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर भारत मौसम विज्ञान सोसायटी, पटना चैप्टर के सचिव डॉ० प्रधान पार्थसारथी, मौसम विज्ञान केंद्र, पटना के प्रमुख श्री आशीष कुमार, प्रतिभागीगण एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

.....